THRU the BIBLE



याकूब का एसाव से मिलना

प्रार्थना के साथ शुरुआत करें
पढ़ें: उत्पत्ति 33:1-20
सुनें: THRU the BIBLE: उत्पत्ति 33:1-20

प्रिय परमेश्वर,

धन्यवाद कि आपका रूपांतरित करने वाला कार्य हमारे जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाता है।हमें लेने से देने की ओर, और चालबाज़ी से भरोसे की ओर बढ़ने में मदद करें। जहाँ रिश्तों में सुलह की ज़रूरत है, वहाँ हमारे और उनके दिलों को नरम करें और अपनी कृपा से एक नया अध्याय लिखें।

आमीन।

भाइयों का फिर से मिलना

उत्पत्ति 33:1-20

सुबह याकूब ने नज़र उठाई और देखा कि एसाव 400 आदमियों के साथ उसकी ओर आ रहा है। उसे पता नहीं था कि एसाव दोस्त बनकर आ रहा है या दुश्मन बनकर।

लेकिन जब वे पास आए, **एसाव दौड़कर उससे मिला, उसे गले लगाया और चूमा, और वे रो पड़े।** आख़िरकार, वे जुड़वां भाई जो थे। **ज़रूर परमेश्वर ने एसाव का दिल बदल दिया होगा,** क्योंकि पिछली बार जब हमने उसे देखा था, तो उसने याकूब को मारने की कसम खाई थी।

फिर याकूब ने अपने भाई को अपने परिवार से मिलवाया। फिर एसाव ने उन सभी भेड़-बकरियों और गाय-बैलों के बारे में पूछा जो याकूब ने उसके आगे भेजे थे। **"ये तुम्हारे लिए हैं, एसाव!"** एसाव शायद हँसा होगा जब उसने जवाब दिया, **"मेरे पास काफ़ी है, मेरे भाई;** जो तुम्हारे पास है, वो अपने लिए रख लो।"

"याकूब ने कहा, **" नहीं, यदि तेरा अनुग्रह मुझ पर हो, तो मेरी भेंट ग्रहण कर: क्योंकि मैंने तेरा दर्शन पाकर, मानो परमेश्वर का दर्शन पाया है, और तू मुझसे प्रसन्न हुआ है। इसलिए यह भेंट, जो तुझे भेजी गई है, ग्रहण कर; क्योंकि परमेश्वर ने मुझ पर अनुग्रह किया है, और मेरे पास बहुत है।"** जब उसने उससे बहुत आग्रह किया, तब उसने भेंट को ग्रहण किया।" (उत्पत्ति 33:10-11)



"अब तक, हर भाई दूसरे से कुछ-न-कुछ पाने की कोशिश कर रहा था, खासकर याकूब। पहले उसने जन्मसिद्ध अधिकार पाने के लिए एक कटोरा स्टू का सौदा किया था; लेकिन अब वह अपने भाई को बिना किसी बदले के अपने झुंड और मवेशी देने को तैयार है!"

याकूब का परिवर्तन

कितना बड़ा बदलाव! **अब तक, दोनों भाई एक-दूसरे से कुछ न कुछ पाने की कोशिश कर रहे थे, खासकर याकूब। पहले, उसने जन्मसिद्ध अधिकार पाने के लिए स्टू का एक कटोरा दिया था; अब वह बदले में कुछ भी लिए बिना अपने भाई को भेड़-बकरियों और जानवरों के झुंड देने को तैयार था!** उसने ज़ोर देकर कहा कि उसका भाई उसका तोहफ़ा ले ले। **याकूब में एक बहुत बड़ा बदलाव आया है।**

फिर एसाव ने याकूब को अपने साथ चलने के लिए कहा, ताकि वह उन्हें रास्ता दिखा सके और उनकी रक्षा कर सके। लेकिन याकूब को अपने छोटे परिवार और अपने झुंडों के छोटे जानवरों का ध्यान था। वे तेज़ी से सफ़र नहीं कर सकते थे। **"भाई एसाव, हम तुम्हारी सेना के साथ तेज़ी से नहीं चल सकते। तुम आगे बढ़ो।"** इसलिए एसाव ने याकूब के परिवार की सहायता के लिए कुछ सेवकों को छोड़ दिया और स्वयं आगे बढ़कर दक्षिणी कनान में सेईर, **अर्थात् एदोम देश,** चला गया। अपने पिता की मृत्यु के बाद वह सेईर पर्वत पर बस गया, **जिसे परमेश्वर ने एसाव को उसके अधिकार के लिए दिया था।** (देखें व्यवस्थाविवरण 2:5)

याकूब के लिए एक नया जीवन

याकूब में एक बड़ा बदलाव आया था। उसकी सारी चालाकी बेकार साबित हुईं। परमेश्वर ने लाबान को चेतावनी दी थी कि वह याकूब को कोई नुकसान न पहुँचाए, और परमेश्वर ने एसाव को अपने भाई से सुलह करने के लिए तैयार किया। अब याकूब को दोनों तरफ से शांति मिल गई थी। परमेश्वर ने ही उसके लिए यह सब इंतज़ाम किया था। अगर याकूब अपनी चालाकी पर भरोसा करता, तो हो सकता है कि उसकी मौत हिंसक तरीके से होती।

बाद में, जब याकूब ने अपनी ज़िंदगी पर पीछे मुड़कर देखा, तो उसे परमेश्वर का हाथ दिखाई दिया और उसने परमेश्वर की महिमा की। लेकिन अभी, याकूब विश्वास में चलना सीख रहा था।

अपने नए घर में याकूब ने एक वेदी बनाई, ठीक वैसे ही जैसे उसके दादा अब्राहम हर जगह किया करते थे। **उसने उस नई जगह का नाम 'एल-एलोहे-इस्राएल' रखा, जिसका मतलब है "परमेश्वर, इस्राएल का परमेश्वर।"** याकूब ने अपने नए नाम को परमेश्वर के नाम से जोड़ा। यह उस व्यक्ति में असल तरक्की को दिखाता है जो अभी-अभी विश्वास में चलना सीख रहा था। लेकिन यह तरक्की धीरे-धीरे हो रही थी।

उसे और परिपक्व होने की ज़रूरत होगी, क्योंकि उसके परिवार की ज़िंदगी का अगला अध्याय दुखद घटना लेकर आएगा।



"याकूब अब अपने आत्मिक पैरों से चलना सीख रहा है।"

परमेश्वर के अनन्त सत्य

उत्पत्ति 33 से हमारे लिए सीख

परमेश्वर का रूपांतरित करने वाला कार्य वास्तविक परिवर्तन लाता है।

- **सत्य:** याकूब की पहचान चीज़ें लेने वाले के तौर पर थी: उसने जन्मसिद्ध अधिकार लिया, आशीर्वाद लिया, और हर तरह का फ़ायदा उठाया जो वह उठा सकता था। लेकिन पेनीएल में परमेश्वर से मुलाकात के बाद, एक बहुत बड़ा बदलाव आया। अब वह उसी भाई को दिल खोलकर देने पर अड़ गया जिसे उसने कभी धोखा दिया था। परमेश्वर ने दोनों तरफ़ पीछे लाबान और आगे एसाव के साथ शांति का इंतज़ाम कर दिया था। अगर याकूब को सिर्फ़ अपनी चालाकी पर छोड़ दिया जाता, तो शायद उसकी मौत हिंसक तरीके से होती।



- **नए नियम से संबंध:** 2 कुरिन्थियों 5:17 "इसलिए यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गईं।" इफिसियों 4:23-24 और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नये बनते जाओ, और नये मनुष्यत्व को पहन लो, जो परमेश्वर के अनुसार सत्य की धार्मिकता, और पवित्रता में सृजा गया है।"



मनन के लिए प्रश्न

सवाल 1

बदलाव का सबूत: याकूब लेने वाले से देने वाला बन गया।
आप अपनी ज़िंदगी में परमेश्वर के बदलाव लाने वाले काम का क्या ठोस सबूत बता सकते हैं? क्या ऐसे कुछ पहलू हैं जहाँ आपका स्वभाव सच में बदला है, या ऐसे पहलू हैं जहाँ "पुराना याकूब" अभी भी काम करता है?

सवाल 2

परमेश्वर की योजनाओं पर भरोसा करना: परमेश्वर ने एसाव का दिल नरम कर दिया और सुलह का ऐसा इंतज़ाम किया जो याकूब की चालें कभी नहीं कर पातीं। क्या आपकी ज़िंदगी में कोई ऐसा टूटा हुआ रिश्ता है जिसे ठीक करने की कोशिश आप अपनी ताकत से कर रहे हैं, जबकि आपको परमेश्वर पर भरोसा करना चाहिए कि वह दूसरे व्यक्ति के दिल में काम करेगा?

सवाल 3

याकूब ने एक वेदी बनाई और उसका नाम "परमेश्वर, इस्राएल का परमेश्वर" रखा, जिसने सबके सामने उसकी नई पहचान को परमेश्वर से जोड़ा। इस हफ़्ते आप कौन-सा एक व्यावहारिक कदम उठा सकते हैं जिससे आप सबके सामने यह मान सकें कि परमेश्वर ने आपके जीवन में क्या किया है, भले ही आपको अपनी बढ़ोतरी धीमी लग रही हो?

THRU the BIBLE

हमारे रिसोर्स का इस्तेमाल करें

THRU the BIBLE ऐप डाउनलोड करें और 200 से ज़्यादा भाषाओं में उपलब्ध ऑडियो बाइबल शिक्षाएँ सुनें।

Visit ttb.bible

हमारी वेबसाइट पर 'स्क्रिप्चर एंगेजमेंट' बुक सीरीज़ के और भी वॉल्यूम वाली इंटरैक्टिव डिजिटल फ्लिप बुक देखें।

Visit ttbsa.org